आबू का तीरथ तुमको पुकारे

18.01.2019

बाबा तुम आओ और......

1. अपने मधुबन को सजाकर जाओ
2. साकार संग का नजारा दिखाकर जाओ
3. वे दिन फिर से लौटाकर जाओ
4. हमारे साथ बैडमिन्टन खेलकर जाओ
5. हमें पिकनिक कराकर जाओ
6. हमे अपने साथ लेकर जाओ
7. हमें मुरली सुनाकर जाओ
8. हमें गोद में बिठाकर जाओ
9. हमें सैर कराकर जाओ
10. हमारे सिर पर हाथ रखकर जाओ
11. हमें नेष्ठा में बिठाकर जाओ
12. हमारे साथ झूला झूलकर जाओ
13. हमें टोली खिलाकर जाओ
14. हमारे साथ पर्सनल मुलाकात करके जाओ
15. हमारे प्रश्नों को मिटाकर जाओ
16. हमारे उल्हनों को पूरा करके जाओ
17. वे हसीन पलों को लौटाकर जाओ
18. हमें गले लगाकर जाओ
19. यज्ञ को निर्विघ्न बनाकर जाओ
20. यज्ञ को सम्पन्न बनाकर जाओ
21. बच्चों को बहलाकर जाओ
22. हमारे साथ रुहरिहान करके जाओ
23. हमें दिव्यदृष्टि की चाबी देकर जाओ
24. मीठे बच्चे शब्द सुनाकर जाओ
25. हमारे दिल के गीतों को सुनकर जाओ
26. हमसे वायदा करके जाओ
27. हमें सर्च लाइट देकर जाओ
28. हमें थोड़ी बुद्धि बाँटकर जाओ
29. हमें चोबचिनी खिलाकर जाओ
30. हमारा जीवन सफल करके जाओ
31. हमें रात्रि क्लास कराकर जाओ
32. प्यार के सागर में हमें डूबोकर जाओ
33. हम क्या पद पायेंगे वो बताकर जाओ
34. हमें जलवे दिखाकर जाओ
35. हमें दृष्टि देकर जाओ
36. लाल अक्षरों में हमारी तकदीर बनाकर जाओ
37. हमें आपसमान बनाकर जाओ
38. हमें फ्लालेस हीरा बनाकर जाओ
39. हमें नदी पार लेकर जाओ
40. हमें ट्रान्स का पार्ट दिखाकर जाओ
41. हमें अलौकिक नाम देकर जाओ
42. हमसे छुट्टी लेकर जाओ
43. हमें जीना सिखाकर जाओ
44. हमारे पत्र का जवाब देकर जाओ
45. मानी और मक्खन खिलाकर जाओ
46. ऐसा एक महावाक्य सुनाकर जाओ जो जीवन की दिशा बदल दे
47. एक मधुर मुस्कान से कल्पभर के संताप हरकर जाओ
48. आपकी कोई सेवा करने का सौभाग्य हमें देकर जाओ
49. रोम रोम में नवप्राणों का संचार करके जाओ
50. पहले कब मिले थे की पहेली पुछकर जाओ
51. हमारे गालों को थपथपाकर जाओ
52. एक स्पर्श से जन्मोजन्म की बीमारी मिटाकर जाओ
53. हमें अशरीरी बनाकर जाओ
54. हमारे में प्रभु प्रेम का अलख जगाकर जाओ
55. हमें नष्टोमोहा स्मृतिलब्धा बनाकर जाओ
56. हमें शूबीरस पिलाकर जाओ।
57. हमें साकार मिलन का स्टैम्प लगाकर जाओ।
58. हमारे स्वप्नों को साकार करके जाओ।
59. गीता के अठ्ठारह अध्याय फिर से सुनाकर जाओ।
60. हमारे कानों में मंत्र फूंककर जाओ।
61. हमें विजय का तिलक देकर जाओ।
62. बाँधेलियों की पीड़ा हरकर जाओ।
63. हमारा अकेलापन दूर करके जाओ।